दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 238
मुरादाबाद
(Saturday)
20 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

तकनीक की चुनौती समझें, भर्ती में ईमानदारी और पारदर्शिता सर्वोपरि; PSCs को राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सार्वजनिक सेवा आयोगों को तकनीक की उभरती चुनौतियों का अनुमान लगाते हुए पारदर्शिता, ईमानदारी और वैश्विक मानकों के अनुरूप सिविल सेवकों के चयन पर ध्यान देना चाहिए।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक सेवा आयोगों से आह्वान किया है कि वे तेजी से बदलती तकनीक से जुड़ी चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाएं और पारदर्शिता, विश्वसनीयता व ईमानदारी को अपनी चयन प्रक्रिया का मूल आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे सिविल सेवकों

की टीम चाहिए, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो और जनसेवा के प्रति पूरी निष्ठा रखती हो।हैदराबाद में सार्वजनिक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि पीएससी की भूमिका केवल भर्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में भरोसा बनाए रखने की भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों की ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।तकनीक के साथ कदमताल जरूरी- राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में डिजिटल टूल्स, डेटा सुरक्षा और नई तकनीकों का समझदारी से उपयोग जरूरी है। इससे न केवल प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि पारदर्शिता और निष्पक्षता भी मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि PSCs को ऐसे अधिकारियों का चयन करना चाहिए, जो नीति-निर्माण, प्रशासन और जनसेवा में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम कर सकें। इससे भारत की प्रशासनिक क्षमता और वैश्विक छवि दोनों मजबूत होंगी। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, यूपीएससी चेयरमैन अजय कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, कहा- 20 साल का मनरेगा एक दिन में ध्वस्त

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मनरेगा कानून की जगह लाए गए नए विधेयक विकसित भारत जी राम जी को गांव विरोधी करार देते हुए केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी का आरोप है कि अधिकार और मांग आधारित गारंटी को खत्म कर दिया गया है और नए विधेयक को दिल्ली से नियंत्रित किया जा सकता है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने 20 साल के मनरेगा को एक दिन में खत्म कर दिया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक को बिना ठीक से जांच पड़ताल किए संसद से पारित करवा दिया। राहुल गांधी ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक को गांव विरोधी करार दिया- राहुल गांधी ने मनरेगा की जगह लाए गए नए विधेयक विकसित भारत जी राम जी को गांव विरोधी करार दिया और कहा पीएम मोदी के लक्ष्य साफ हैं, ग्रामीण भारत, खासकर पिछड़े वर्ग की ताकत को कमजोर करना, सत्ता का केंद्रीकरण करना और फिर नारों को सुधार के तौर पर बेचना।% सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, बीती रात मोदी सरकार ने 20 साल के मनरेगा को एक दिन में ध्वस्त कर दिया। इसने अधिकार आधारित, मांग आधारित गारंटी को खत्म कर दिया है और इसे एक राशन वाली योजना में बदल दिया

है, जिसे दिल्ली से कंट्रोल किया जा सकता है। यह डिजाइन से ही राज्य विरोधी और गांव विरोधी है।%मनरेगा कानून से शोषण और पलायन कम हुआ लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण मजदूरों को मोलभाव करने की ताकत दी। उन्होंने कहा, %असली विकल्पों के साथ, शोषण और मजबूरी में पलायन कम हुआ, मजदूरी बढ़ी, काम करने की स्थिति में सुधार हुआ, और साथ ही ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण और सुधार हुआ। यह सरकार ठीक उसी ताकत को तोड़ना चाहती है।% उन्होंने कहा कि काम को सीमित करके और इसे मना करने के और तरीके बनाकर विकसित भारत जी राम जी विधेयक ग्रामीण गरीबों के पास मौजूद एकमात्र हथियार को कमजोर करता है। गांधी ने दावा किया, हमने देखा कि कोविड के दौरान मनरेगा का क्या मतलब था। जब अर्थव्यवस्था बंद हो गई और लोगों की आजीविका खत्म हो गई, तो मनरेगा ने करोड़ों लोगों को भूख और कर्ज में डूबने से बचाया।% कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इसने महिलाओं की सबसे ज्यादा मदद की। साल दर साल, महिलाओं के काम के दिनों में बढ़ोतरी हुई। विकसित भारत जी राम जी विधेयक को जबरदस्ती पारित कराने का लगाया आरोप- नए विधेयक की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि इस कानून को बिना ठीक से जांच-पड़ताल के संसद में जबरदस्ती पास कर दिया गया। बिल को स्टैंडिंग कमेटी में भेजने की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया गया। एक ऐसा कानून जो ग्रामीण सामाजिक अनुबंध को बदलता है, जो करोड़ों मजदूरों को प्रभावित करता है, उसे कभी भी गंभीर कमेटी जांच, विशेषज्ञ सलाह और सार्वजनिक सुनवाई के बिना जबरदस्ती पास नहीं किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार पर राहुल गांधी ने लगाए गंभीर आरोप- राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी के लक्ष्य साफ हैं- मजदूरों को कमजोर करना, ग्रामीण भारत, खासकर दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की ताकत को कमजोर करना, सत्ता का केंद्रीकरण करना, और फिर नारों को सुधार के रूप में बेचना।% कांग्रेस नेता ने कहा, %मनरेगा दुनिया के सबसे सफल गरीबी उन्मूलन और सशक्तिकरण कार्यक्रमों में से एक था। हम इस सरकार को ग्रामीण गरीबों की आखिरी सुरक्षा पंक्ति को नष्ट नहीं करने देंगे। हम इस कदम को हराने के लिए मजदूरों, पंचायतों और राज्यों के साथ खड़े होंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए देशव्यापी मोर्चा बनाएंगे कि यह कानून वापस लिया जाए।% गुरुवार रात को संसद ने विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच विकसित भारत जी राम जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)) विधेयक को पारित कर दिया, जो 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लेगा।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश अशांत, भारत तक आक्रोश: त्रिपुरा में दिखा गुस्सा, मॉब लिंचिंग से भड़की BJP

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। उपद्रवियों ने गुरुवार देर रात देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और एक अन्य अखबार प्रोथोम अलो के कार्यालयों में आग लगा दी। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय को भी जला दिया गया है। वहीं बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों द्वारा भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों पर अपना दावा जताने के बाद भारत में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। त्रिपुरा में लोगों ने बांग्लादेश के कट्टरपंथियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश में गुरुवार को एक हिंदू युवक को ईशनिंदा के आरोप में अराजक भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद शव को नग्न कर पेड़ पर लटका दिया गया और उसमें आग लगा दी गई। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है। मॉब लिंचिंग की यह घटना भालुका इलाके में हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। बांग्लादेश में अराजक भीड़ ने अवामी लीग के कार्यालय में आगजनी और तोड़फोड़ की। हिंसा के दौरान बांग्लादेश के सबसे बड़े अखबार द डेली स्टार के कार्यालय में भी तोड़फोड़ और आगजनी की गई। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों द्वारा भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को अपना हिस्सा बताने के खिलाफ भारत में भी आक्रोश देखा जा रहा है।

चाय पर चर्चाः सत्र के समापन पर स्पीकर बिरला ने बुलाई बैठक, पीएम मोदी-प्रियंका समेत तमाम सांसद हुए शामिल

संसद का शीतकालीन सत्र सत्र स्थगित होने के बाद आज स्पीकर ओम बिरला ने सत्तापक्ष और विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत अन्य दलों के नेता भी शामिल रहे।संसद का शीतकालीन सत्र का आज समापन हो गया। अंतिम कार्यदिवस पर लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कोई विधायी काम नहीं हुआ और स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का एलान कर दिया। थोड़ी देर बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में सांसदों को

चाय पर आमंत्रित किया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे।प्रियंका गांधी को रक्षा मंत्री के बगल वाली सीट दी गई गौरतलब है कि संसद सत्र के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बैठक करते हैं। मानसून सत्र के समापन पर भी ऐसी बैठक हुई थी, लेकिन विपक्ष ने उस बैठक का बहिष्कार किया था। इस बार की बैठक में प्रियंका गांधी शामिल हुईं। खास बात ये रही कि वायनाड से पहली बार की सांसद प्रियंका गांधी को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बगल वाली सीट दी गई। वहीं रक्षा मंत्री के पास वाली सीट पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे दिखाई दिए। गडकरी ने प्रियंका को कराया था भोजन गुरुवार को लोकसभा में जब प्रियंका गांधी ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से समय नहीं मिलने की शिकायत की थी तो उन्होंने कहा था कि उनका दरवाजा तो हमेशा खुला रहता है। गडकरी ने कहा कि आप प्रश्नकाल के बाद उनके ऑफिस में आकर मिल सकती हैं। इसके बाद प्रियंका गांधी ने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में जाकर मुलाकात की थी, जहां गडकरी ने उन्हें स्वादिष्ट डिश भी खिलाई। सत्र समापन के बाद भी जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें भी सत्ता और विपक्षी सांसद मुस्कुराते हुए नजर आए, जो कहीं न कहीं देश के लोकतंत्र की खूबसूरती को दिखाती हैं।

यूपी विधानमंडल सत्रः विधान परिषद में सपा का वॉक आउट, संस्कृत शिक्षकों के जीपीएफ भुगतान का मिला भरोसा

यूपी विधानमंडल का सत्र प्रारंभ हो गया है। सत्र के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के प्रमुख नेताओं ने स्वर्गीय सपा विधायक सुधाकर सिंह के समाज को दिये गए योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आज से प्रारंभ हो गया है। सदन की कार्यवाही के पहले दिन सपा के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने राजनीति और समाज के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, विधान परिषद की कार्यवाही चलती रही। जहां पर सपा ने प्रदेश में स्कूल बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए सदन से वॉक आउट किया। वहीं, सरकार ने बताया कि संस्कृत विद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों को जीपीएफ का भुगतान जल्द होगा। कार्यवाही के दौरान करीब आधा दर्जन बिल सदन के पटल पर रखे गए और इसके बाद विधान परिषद की कार्यवाही भी सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके पहले, ट्यूबवेल न चलने के मुद्दे पर नेता सदन स्वतंत्र देव सिंह व विधान परिषद सदस्य ध्रुव त्रिपाठी के बीच तीखी नोंकझोंक हुई।सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से सदन की कार्यवाही शुरू हो रही है। 24 जनवरी को हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा। 24 जनवरी को यूपी का स्थापना दिवस भी है। हमने सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों से चर्चा के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। सदन की कार्यवाही के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने स्वर्गीय सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर समाज में दिये गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।कफ सिरप कांड और एसआईआर पर हंगामे के आसार

सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दल कोडीन कफ सिरप की तस्करी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर हंगामा कर सकता है। साथ ही, सदन में वंदे मातरम पर होने वाली चर्चा का विरोध भी किया जा सकता है। आज सत्र शुरू होने के दिन सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने कफ सिरप कांड को लेकर योगी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे लोगों पर बुलडोजर क्यों नहीं चला रही है। हजारों करोड़ रुपये का गबन हुआ है और जहरीली कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत हुई है। क्या बुलडोजर का ड्राईवर भी कफ सिरप पीकर सो गया है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए बृहस्पतिवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय और कार्यमंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। सर्वदलीय बैठक में सभी दलीय नेताओं ने सदन की कार्यवाही को शालीनता एवं संसदीय मर्यादा के अनुरूप संचालित करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। विधान सभा अध्यक्ष ने भी दलीय नेतओं से अपील किया कि सदन में सकारात्मक संवाद, शालीनता एवं संसदीय परंपराओं के अनुरूप अपनी बात रखें, सभी को बात रखने का मौका दिया जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सत्र के दौरान प्रस्तुत होने वाले विधेयकों पर चर्चा कराई जाएगी।

संपादकीय Editorial

Roads to Progress

The blessings of Union Road Transport Minister Nitin Gadkari on two roads in Himachal Pradesh are not just a few coins—they offer immense hope for positive transportation. The central government has provided a total of 186.09 crore rupees to strengthen two roads in the state. Of these, 137.4 crore rupees have been allocated for the widening of the Mandi-Gagal-Chail Chowk-Janjehli road and 48 crore rupees for the upgrade of the Jaijon Mod-Tahliwal road. Every road is a vital entity, and the promise of progress in the changing capacity of roads can transform the entire economic landscape. In this context, the improvement of the road to Jaijon will bring hope to Una's industrial and interstate transportation. Similarly, the widening of the Mandi-Janjehli road is not just about transportation, but also provides convenience to tourists and promises to the fruit-producing region. The rural economy in Himachal has reached many dimensions, marking the success of the Prime Minister's Rural Road Project. The roads developed under the Prime Minister's Rural Road Project are a major reason for the success of the tourism homestay scheme. A new Himachal, emerging with the spirit of rural tourism, is attracting agriculture, horticulture, and tourists. Clearly, the story of Himachal's transformation depends on the condition and progress of its roads. The Dhumal government prioritized roads and identified major transportation destinations in Himachal. When the Kumarhatti to Nahan route was strengthened, the journey from Uttarakhand to the capital, Shimla, became simpler and more convenient. The superhighway connecting Hamirpur to Una, or the route from Ghumarwin to Mandi and Hamirpur, transformed the landscape. Similarly, Draman transformed the landscape from Chuwari or Kupvi to Shillai. Indeed, Himachal's ambitions in road transportation have increased pressures everywhere. Roads are now connecting new directions. The construction of bridges like the Bagchal bridge over the Govind Sagar Lake, thanks to the efforts of Jhanduta MLA Jeetram Katwal, will make the Chandigarh-Delhi route easier for Hamirpur and Kangra. We have long stated that if road projects converge in the center of Hamirpur, Himachal's destinations will become easier. In this context, four-lane projects should be expanded based on surveys that will connect all sectors of trade, tourism, and transportation. Along with the Pathankot-Mandi, Mataur-Shimla, Kiratpur-Manali, and Parwanoo-Shimla four-lane projects, new routes connecting various cities, religious sites, tourist centers, and commercial markets should be at least two-lane. Old and important roads like the Jalandhar-Nadaun and Jalandhar-Dharamshala need to be converted to four-lane roads. This is also because every road should be strengthened to facilitate freight, fruit, and vegetable transportation, and to accommodate the growing traffic. In Himachal, indiscriminate construction and existence of markets is visible in the expansion of roads, hence while increasing or upgrading their width, it should also be ensured that the roads are not blocked for commercial and parking purposes.

A Meaningful Initiative Toward a Historical Understanding

The NCERT revision is a response to ideological injustice. It writes history neither with bitterness nor with a sense of vengeance. It simply demands that history be accepted as it was. Without truth, neither self-confidence nor social harmony is possible. The purpose of history is not to divide society, but to introduce it to its true journey. The NCERT revision: A significant response to ideological injustice: Freeing history from bitterness and vengeance. Confidence and social harmony are impossible without essential truth. The revision made by NCERT in the new Class 7 Social Studies book, "Exploring Societies: India and Beyond - Part 2," is not merely a curriculum change. It is an attempt to break the ideological inertia that, for decades, presented students with incomplete, selective, and confused representations of Indian history. This initiative is a bold and necessary step toward restoring a historical understanding. After independence, a particular ideological dominance dominated Indian history-writing. Within this, the invasions of medieval India were either presented briefly or viewed only within the limited scope of imperial expansion and economic plunder. Facts such as temple destruction, religious persecution, widespread massacres of non-Muslims, slave trade, and the systematic destruction of centers of knowledge were either suppressed or dismissed as "wars of sultans and kings." Furthermore, the ideological mindset behind these invasions, which believed in the concept of "kufr-kafir," was virtually silenced. As a result, a crucial and painful aspect of history remained beyond the understanding of students for generations. The new NCERT textbook presents history not according to ideological convenience, but based on authentic sources and solid historical context. Telling the truth is not communalism, but rather a sign of intellectual honesty. A significant achievement of this book is that it frees Indian history from the limitations of a Delhi- and North India-centric perspective. It gives due consideration to the contributions of dynasties such as the Kakatiyas, Chalukyas, Pallavas, Hoysalas, Eastern Gangas, and Brahmapalas, as well as those of the Bhanjas, Guhilas, Kalachuris, Maitrakas, Maukharis, Shilaharas, Somavamshis, Tomars, and Chauhans (Chauhans). This book does not view temple architecture merely as a place of worship or a religious symbol, but rather as a vibrant center of learning, art, science, and community life in medieval Indian society. Whether it's the unique intricate carvings of the Hoysala temples at Belur-Halebidu or the Kailashnath Temple at Ellora, they all bear tangible testimony to the technical prowess, architectural knowledge, and aesthetic sense on which Indian civilization rested for centuries. This presentation dismantles the long-held myth that medieval India was somehow intellectually, scientifically, or creatively backward. Chapters like "Vasudhaiva Kutumbakam" and "India, a Home to Many" included in the book reveal India's civilizational soul, rooted in tolerance, coexistence, and respect. Indian society has a historic tradition of not only sheltering the Jewish and Parsi communities, but also providing them with respect, security, and social acceptance. The chapter "India and Her Neighbors," added to the new book, clearly states in the context of Pakistan's creation on religious grounds, and that partition did not alleviate the challenges but rather inflicted deep wounds on the Indian psyche. This presentation shatters the ideological myth that the India-Pakistan partition was merely a political accident. The attempt to explain India's relations with neighboring countries in the context of a shared civilizational heritage provides students with a broader perspective. The left wing is most uncomfortable with the chapters that detail the invasions of Mahmud Ghaznavi, Mohammad Ghori, and Bakhtiyar Khilji. The reason is clear: for the first time, these invasions have been presented in the school curriculum with their true ideological background. Ghaznavi's 17 invasions—the destruction of the Somnath Temple, the destruction of the temples of Mathura and Kannauj, the widespread massacres, and the enslavement of women and children to Ghazni—are no longer "legends," but historical facts. Contemporary Persian sources like Al-Utbi, Al-Biruni, and Firdausi themselves admit that Ghaznavi considered his campaigns a "jihad against the infidels." Be it Muhammad bin Qasim's invasion of Sindh, Bakhtiyar Khilji's destruction of Nalanda and Vikramshila, or Timur's horrific massacre in Delhi in 1398, these events were not driven by merely political motives. Timur himself admitted in the "Tuzuk-i-Timuri" that his campaign was driven by the religious motivation of "eradicating infidelity." The NCERT's revision is a response to ideological injustice. It writes history neither with bitterness nor with a sense of vengeance. It simply demands that history be accepted as it was. Without truth, neither self-confidence nor social harmony is possible. The purpose of history is not to divide society, but to introduce it to its true journey.

The problem stemming from sluggishness: how will pollution in Delhi-NCR be curbed?

The problem is that no measures are being taken to prevent the burning of coal, wood, and cow dung cakes. Similarly, the burning of leaves and garbage is also failing to end. Recently, the use of coal and wood in tandoors was banned in Delhi, but nothing is being done in this direction in the rest of North India. Burning of coal, wood, and cow dung cakes is the main problem. Burning of leaves and garbage is not controlled. No pollution control measures are in place in North India. The Supreme Court has again expressed displeasure over the slowness in controlling pollution in Delhi-NCR, stating that no action is being taken. It made some amendments to its earlier order and removed the exemption from punitive action for old vehicles. It also issued several further directives to curb the rising pollution in and around Delhi. Despite this, it is doubtful that any effective control of air pollution will be achieved. This is because air pollution levels have risen so significantly that immediate measures are unlikely to be effective. To alleviate air pollution, continuous work on long-term solutions is necessary. For the past few years, efforts have been made to address air pollution only when it peaks. Every year, with the onset of winter, air pollution in Delhi and its surrounding areas is attributed to the geographical location of the region, but nothing can be done about it. What can be done is to focus seriously on addressing all causes of pollution simultaneously. The major causes of pollution in and around Delhi are vehicle emissions and dust from roads and construction sites. The root cause of toxic vehicle emissions is their extremely slow movement due to traffic congestion. Neither a solution to traffic congestion nor a solution to dust from roads and construction sites has been found. It should be understood that air pollution is not just a problem in Delhi and its surrounding areas; it has now become a problem across North India. The truth is that clean air is now available only in a few parts of the country during the winter season. This is due to the lack of addressing the causes that pollute the air. Studies show that 80 percent of pollution is caused by dust and smoke, and this is also due to the smoke emitted by burning wood, coal, cow dung cakes, etc. The problem is that no measures are being taken to prevent the burning of coal, wood, and cow dung cakes. Similarly, the practice of burning leaves and garbage is also not being stopped. Recently, the use of coal and wood in tandoors was banned in Delhi, but nothing is being done in this direction in the rest of North India. This is why the problem of air pollution is becoming serious even in many rural areas of the country. It is high time to consider how much cooking gas is actually being used for cooking.

मुरादाबाद में अरबों का जमीन घोटाला: मायानगर सहकारी समिति भंग, अपर आयुक्त ने की कार्रवाई, ऐसे उजागर हुआ खेल

अरबों रुपये के घोटाले के आरोपों में घिरी मायानगर सहकारी आवास समिति को अपर आयुक्त आवास ने भंग कर दिया है। समिति सदस्य शीशपाल की शिकायत पर हुई जांच में जमीनों की हेराफेरी, फर्जी डीड और सदस्यों को बदलकर जमीन बेचने के तथ्य सामने आए। शुरुआती जांच में 100 करोड़ से अधिक के घोटाले के संकेत मिले हैं।अरबों रुपये के घोटालों के आरोपों से घिरी मायानगर सहकारी आवास समिति को भंग कर दिया गया है। यह कार्रवाई अपर आयुक्त आवास ने की है। समिति को संचालित करने के लिए अब डीएम अपर नगर मजिस्ट्रेट या तहसीलदार की नियुक्ति करेंगे।मायानगर सहकारी आवास समिति के समिति के सदस्य शीशपाल की शिकायत पर तीन सदस्यीय कमेटी ने जांच कराई गई। इस जांच में पता चला कि जमीन का काफी गोलमाल किया गया है। समिति के सदस्यों को बदलकर दूसरों को जमीनें बेची गई हैं। इसमें फर्जी डीड भी बनाए गए हैं।शुरुआती जांच में 100 करोड़ से अधिक का घोटाला सामने आया था। जांच में छह स्थानीय प्रापर्टी डीलरों के नाम सामने आए। इसकी जानकारी होने पर तत्कालीन अपर आयुक्त आवास एवं अपर निबंधन विनय कुमार मिश्रा ने समिति पर शिकंजा कसना शुरू किया। उनके निर्देश पर एआईजी स्टॉप ने समिति की जमीनों की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी। साथ ही समिति के खातों को सशर्त फ्रीज कराने के निर्देश दिए। इसके बाद अपर आयुक्त आवास के निर्देश पर डीएम अनुज सिंह ने जमीनों की ऑडिट करने के लिए एडीएम प्रशासन के नेतृत्व में एसआईटी गठित कर दी। सहकारी समिति भंग कर दी- इस बीच एडीएम प्रशासन गुलाब चंद्र का तबादला हो गया। इस कार्य की जिम्मेदारी अब वर्तमान एडीएम प्रशासन संगीता गौतम के कंधों पर है। वहीं अपर आयुक्त एवं निबंधन ने मायानगर सहकारी आवास समिति को भंग कर दिया। इस संबंध में बृहस्पतिवार को आवास विकास विभाग की ओर से जारी पत्र पहुंच गया।डीएम अनुज सिंह ने बताया कि मायानगर सहकारी समिति भंग कर दी गई हैं। इस मामले में वह शीघ्र ही किसी तहसीलदार या अपर नगर मजिस्ट्रेट को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करेंगे। अभी जमीन की ऑडिट रिपोर्ट पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट आने पर समिति के कुछ लोगों के खिलाफ विभाग की तरफ से प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। इधर वर्षों पहले रजिस्ट्री करा चुके लोगों को अभी तक प्लाट या फ्लैट भी नहीं मिल सका है।

समिति के सभापति के खिलाफ पारित हुआ था अविश्वास प्रस्ताव घोटाले की प्राथमिक रिपोर्ट आने के बाद 10 अक्तूबर को समिति के सदस्यों ने विनायक अपार्टमेंट में बैठक की थी। इस दौरान मायानगर सहकारी समिति के सदस्यों ने अध्यक्ष फूलकुंवर के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया। इस मामले की जानकारी जिला प्रशासन को भी दी गई थी लेकिन जिला प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया था।

इस मामले में अपर आयुक्त ने घोटालों के लिए समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए भंग करने का निर्णय लिया। अब जिला प्रशासन की तरफ से नियुक्त अध्यक्ष समिति का पूरा हिसाब लेंगे। एसडीएम कोर्ट के आदेश पर भारतीय बाल विद्या मंदिर की समिति भंग- मुरादाबाद में कानून गोयान स्थित भारतीय बाल विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल की प्रबंध समिति को भंग करने का आदेश एसडीएम कोर्ट ने दिया है। मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। वादी अंजीव शर्मा ने प्रबंध समिति के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसके बाद फरवरी में हाईकोर्ट ने एसडीएम सदर की कोर्ट को आदेश दिए कि तीन माह के भीतर मामले का निस्तारण करें। 15 दिसंबर को एसडीएम सदर मुरादाबाद की कोर्ट ने फैसला दिया है। इसमें कहा गया है कि प्रबंध समिति पूरी तरह भंग की जाती है। वर्तमान में किसी व्यक्ति के पास प्रबंध समिति का कोई पद नहीं रहेगा। प्रबंध समिति के चुनाव की कथित कार्रवाइयों को निरस्त कर दिया गया। सहायक रजिस्ट्रार को आदेश दिए हैं कि तीन माह के भीतर चुनाव कराएं और नई प्रबंध समिति का गठन करें। संजय सिंह को प्रबंधक पदनाम से पत्राचार न किए जाने का आदेश दिया है। कोई व्यक्ति संस्था के खातों का गलत इस्तेमाल न कर पाए, इसके लिए वादी ने संयुक्त शिक्षा निदेशक से अपील की है कि विद्यालय के संचालन के लिए नियंत्रक की नियुक्ति की जाए।

यूपी में कोहरे का कहर: संभल में तीन दिन स्कूल बंद, मुरादाबाद मंडल में जनजीवन प्रभावित

मुरादाबाद मंडल में घना कोहरा छाया हुआ है। इससे जनजीवन प्रभावित हो गया है। कोहरे को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। उधर, संभल में तीन दिन तक स्कूलों को बंद कर दिया गया है। मुरादाबाद में शनिवार को भी घना कोहरा छाया रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान के मुताबिक दिन का तापमान लगातार नीचे गिरेगा। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रहा।

इसके कारण लोगों ने गलन महसूस की। वैज्ञानिकों के मुताबिक 24 दिसंबर तक दिन का तापमान लगातार घटकर 16 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। दिन व रात के तापमान में अधिक अंतर न रहने से जनजीवन अस्त व्यस्त रहने के आसार हैं। शुक्रवार को दिन में हल्की धूप निकली तो लोगों ने राहत की सांस ली।दोपहर में ठंड कुछ कम हुई लेकिन दिन ढलने के बाद फिर ठंड का असर दिखने लगा।

सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों की संख्या कम हो गई है। दिल्ली, काठगोदाम, देहरादून, हरिद्वार से चलने वाली अधिकांश ट्रेनें 50 प्रतिशत तक खाली चल रही हैं। यही स्थिति रोडवेज बसों की है। संविदा पर तैनात परिचालकों के लिए लोड फैक्टर हासिल करना चुनौती बन गया है। जिला अस्पताल की ओपीडी में सामान्य मरीजों की संख्या कम हो गई है

लेकिन सांस संबंधी रोगी बढ़े हैं। अस्थमा के रोगियों को इनहेलर की जरूरत पड़ने लगी है।बृहस्पतिवार को अस्पताल की फार्मेसी से 16 मरीजों को इनहेलर दिए गए। रोजाना औसतन तीन मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह का कहना है

कि पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिन का तापमान लगातार गिर रहा है।मुरादाबाद मंडल सहित मेरठ आदि शहरों में दिन का तापमान पिछले वर्षों की तुलना में जल्दी गिर रहा है। हालांकि रात का तापमान स्थिर है। इसमें धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। रामपुर- दिन में खिली धूप, रात में आया घना कोहरा- रामपुर में मौसम लगातार बदल रहा है। तीन दिन कोहरे के बाद दोपहर को हल्की धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। कोहरे के बीच दृश्यता शून्य रही। इसका असर ट्रेनों की रफ्तार पर पड़ा। ट्रेनें आधा घंटे से लेकर छह घंटे तक की देरी से रामपुर पहुंचीं। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम वैज्ञानिक दानिश खान ने दो दिन रात में घने कोहरे की संभावना जताई है। न्यूनतम तापमान घटकर 9.9 डिग्री पहुंच गया। हालांकि दोपहर में धूप खिलने के कारण तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अमरोहा- कोहरे के आगोश में रहा शहर, जनजीवन अस्त-व्यस्त- अमरोहा में घना कोहरा और ठंडी हवाओं ने पूरा जीवन अस्तव्यस्त कर दिया। आधी रात से ही कोहरा ने शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों को अपने आगोश से ढक लिया। असर आधा दिन गुजरने तक भी कोहरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। आगामी चार दिन तक मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना है। आठ किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली ठंडी हवाओं ने कंपकंपी छुड़ा दी।दिसंबर माह की शुरुआत से घना कोहरा शुरू हो गया था। बृहस्पतिवार की सुबह कोहरा इसी तरह से छाया रहा। कोहरे के सामने कुछ भी दिखाई नहीं दिया। सुबह के समय दृश्यता शून्य रही। दिनभर कोहरा छाया रहा। दोपहर में हल्की धूप निकली, जो बेअसर रही। दोपहर में कोहरा साफ होने के बाद दिन ढलते ही फिर से कोहरा छाने लगा। देर रात को कोहरे में सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दिया। कड़ाके की ठंड से आम जनजीवन बेपटरी हो रहा है।लोगों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। इसके कारण पार्कों में भी ज्यादा रौनक नजर नहीं आई। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि सोमवार को अधिकतम तापमान 20 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटे ठंड लगातार गिरने का अनुमान है। संभल - 12वीं तक के विद्यालयों में तीन दिन का अवकाश- शीतलहर और घने कोहरे के चलते तीन दिन का अवकाश डीएम ने घोषित किया है। यह आदेश जिले के सभी बोर्ड के विद्यालयों के लिए दिया गया है। डीएम ने बताया कि जिले में संचालित सभी बोर्ड के विद्यालयों में पढ़ने वाले नर्सरी से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं का तीन दिन का अवकाश रहेगा। यह निर्णय बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है। इसका पालन सभी विद्यालय संचालकों को करना है।यदि पालन नहीं किया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले चार दिन तक छाया रहा घना कोहरा तो बृहस्पतिवार को कुछ छंटा लेकिन ठंडी हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी। न्यूनतम तापमान 10 और अधिकतम तापमान 22 डिग्री दर्ज हुआ। हालांकि ठंडी हवा चलने से राहत नहीं मिली। दिनभर बादल छाए रहे। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लगातार सर्दी बढ़ रही है। चार दिन तक घने कोहरे ने रात और सुबह का सफर मुश्किल से भरा कर दिया।दृश्यता शून्य हो गई और रात के समय वाहनों की आवाजाही पर ब्रेक लग गया। जो वाहन जरूरी सामान लेकर आगे बढ़े वह रेंगते हुए दिखाई दिए। बृहस्पतिवार को घने कोहरे से तो राहत मिली लेकिन सर्दी का सितम जारी रहा। जो लोग घरों से बाहर निकले वह ठिठुरते हुए दिखाई दिए। अलाव पर सर्दी से राहत पाई या वह ऐसी जगह खड़े हुए जहां सीधी हवा न लगे।

बिन ब्याही युवती बनी मां, प्रशिक्षु सिपाही से थी दोस्ती... होती थी बात; पुलिस दोबारा कराएगी डीएनए

अमरोहा के रहने वाले एक प्रशिक्षु सिपाही की मुरादाबाद निवासी युवती से दोस्ती थी। इस बीच युवती ने एक बच्चे को जन्म दे दिया। इसके बाद दोनों परिवारों में तनातनी हो गई। मामला पुलिस तक पहुंचा। अब शिशु और सिपाही के डीएनए की जांच होगी।बिन ब्याही मां बनी युवती के बेटे और प्रशिक्षु सिपाही का दोबारा डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। बृहस्पतिवार की दोपहर युवती, अपनी मौसी और चचेरे भाई के साथ एसपी सिटी से मिली। उसने बताया कि प्रशिक्षु सिपाही ही उसके बेटे का पिता है। अब पुलिस ने डीएनए टेस्ट कराने की तैयारी शुरू कर दी है।मझोला थानाक्षेत्र के गांव में रहने वाली युवती ने बताया कि अमरोहा जिले के डिडौली क्षेत्र निवासी प्रशिक्षु सिपाही से उसके दो साल से प्रेम संबंध थे। प्रेमी ने उसे कई बार मुरादाबाद में अलग-अलग होटल में मिलने के लिए बुलाया और शारीरिक संबंध बनाए।जून माह में प्रेमी ट्रेनिंग लेने फिरोजाबाद चला गया। लगातार बुखार और तबीयत खराब होने पर युवती के परिजनों ने उसका अल्ट्रासाउंड कराया तो पता चला कि वह चार माह की गर्भवती है। इसकी जानकारी मिलने पर परिवार में हड़कंप मच गया। पूछताछ करने पर युवती ने बताया कि प्रशिक्षु सिपाही ने उसके साथ संबंध बनाए थे। युवती की मौसी ने कॉल करके इसकी जानकारी सिपाही को दी तो उसने गर्भपात कराने की बात कही थी। मौसी ने यह बातचीत मोबाइल में रिकार्ड भी कर ली थी। 26 नवंबर को युवती ने बेटे को जन्म दिया। बच्चे को अपनाने से मना किया- उधर, सिपाही ने बेटे को अपनाने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों की बैठक में तय किया गया कि युवती के बच्चे और सिपाही का डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। दिल्ली की एक लैब में सिपाही और बच्चे का डीएनए टेस्ट कराया गया। प्रशिक्षु सिपाही के परिवार का दावा है कि डीएनए मैच नहीं हुआ है। उन्होंने युवती को अपने घर में रखने से साफ इनकार कर दिया और बच्चे को अपनाने से मना कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं उनकी कविताओं पर आधारित एकल काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा

नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा श्री नरेश कुमार ने बताया कि भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर महाविद्यालय व जनपद स्तर पर सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं उनकी कविताओं पर आधारित एकल काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिनांक 20 दिसम्बर 2025 तक महाविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता एवं उनकी कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन कराने के उपरांत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्रा के नाम को 20 दिसम्बर 2025 तक प्रेषित किया जाएगा । महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 22 दिसम्बर 2025 को राजकीय महाविद्यालय भोजपुर मुरादाबाद में 11:30 बजे आयोजित करायी जाएगी। जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10000/-, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 5000/- एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को रुपये 2500/- की धनराशि एवं प्रमाण-पत्र 25 दिसम्बर 2025 को जनपद स्तर के कार्यक्रम में मा0 जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

पंजीकृत निर्माण श्रमिक 31 दिसम्बर 2025 तक अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का कराएं नवीनीकरण

उप श्रमायुक्त श्री दीप्तिमान भट्ट ने बताया कि उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड लखनऊ के अन्तर्गत श्रम विभाग मुरादाबाद में निर्माण कार्य में संलग्न जिन निर्माण श्रमिकों द्वारा अपना पंजीकरण कराया गया है उन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ विभिन्न योजनायें संचालित हैं। इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को सर्वप्रथम अपना पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र (सीएससी) के माध्यम से कराना होग। इसके अतिरिक्त श्रम विभाग द्वारा समय-समय पर तहसील दिवस, लेबर अड्डो एवं अन्य स्थानों पर कैम्प लगाकर पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को उनके श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण करायें जाने हेतु जागरूक किया जाता है। श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण न होने के कारण श्रमिक बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहें हैं। उप श्रमायुक्त ने जनपद के समस्त पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वह बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का हितलाभ प्राप्त करने हेतु अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण दिनांक 31 दिसम्बर 2025 तक करा लें। ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण विगत 04 वर्षो से नही कराया गया है वह दिनांक 31 दिसम्बर 2025 तक अनिवार्य रूप से अवश्य करा लें, अन्यथा उनका श्रमिक पंजीयन कार्ड बोर्ड के पोर्टल पर निष्क्रिय कर दिया जायेगा।

मुरादाबाद जिला सहकारी बैंक लि0 की 99वीं सामान्य निकाय की बैठक 20 दिसम्बर 2025 को

सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री प्रेम सिंह ने बताया कि मुरादाबाद जिला सहकारी बैंक लि0 मुरादाबाद की 99वीं सामान्य निकाय की बैठक 20 दिसम्बर 2025 को प्रातः 11:30 बजे कोर्ट रोड पर स्थित जिला सहकारी बैंक मुख्यालय में आयोजित होगी। सदस्य विधान परिषद श्री जयपाल सिंह व्यस्त मुख्य अतिथि के रुप में बैठक में प्रतिभाग करेंगे तथा इस बैठक की अध्यक्षता चौ. श्री विजय भान सिंह सभापति जिला सहकारी बैंक लि0 करेंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने समस्त उपजिलाधिकारी गण के साथ की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । गौशाला में ठंड से बचाव, हरा चारा, भूसा, स्वच्छ जल व साफ सफाई की उचित व्यवस्था हेतु दिए निर्देश

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर लंबित आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में समस्त उप जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशाला का जब भी निरीक्षण करें उसकी एक आख्या भी बनाएं तथा यह भी अवश्य देख लेने की गौशाला में ठंड से बचाव, हरा चारा, भूसा, स्वच्छ जल एवं साफ सफाई आदि की उचित व्यवस्था रहे।

बैठक में उन्होंने कहा कि फैमिली आई.डी, आइ.जी.आर.एस में जो भी पेंडेंसी है उसे शीघ्र निस्तार किया जाए ।

ठंड के दृष्टिगत जिन जगहों पर अलाव / कंबल वितरित किए जाएं उसकी फीडिंग भी की जाए ।

बैठक में उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार, उप जिलाधिकारी मीरगंज आलोक कुमार, उप जिलाधिकारी बहेड़ी इशिता किशोर, उप जिलाधिकारी आंवाला विदुषी सिंह, उप जिलाधिकारी नवाबगंज उदित पवार, उप जिलाधिकारी फरीदपुर मल्लिका नैन, सहित समस्त तहसीलदार उपस्थित रहे

नौ माह से पाँच साल तक 6,26,441 बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाने का लक्ष्य

रतौंधी व कुपोषण से बचाएगा विटामिन ए 27 दिसम्बर से 28 जनवरी 2026 तक चलेगा अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । जनपद में बच्चों के स्वस्थ भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में 27 दिसम्बर से 28 जनवरी 2026 तक विटामिन 'ए' सम्पूरण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत नौ माह से पाँच वर्ष तक की आयु के बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक पिलाई जाएगी।

कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान लक्षित शत-प्रतिशत बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक पिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विटामिन 'ए' बच्चों के समग्र शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल दृष्टि दोष से बचाव करता है, बल्कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को जन आंदोलन के रूप में सफल बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि विटामिन 'ए' सम्पूरण कार्यक्रम वर्ष में दो बार जुलाई-अगस्त एवं दिसम्बर-जनवरी में आयोजित किया जाता है। उन्होंने गर्व के साथ अवगत कराया कि जुलाई-अगस्त में आयोजित पिछले चरण में विटामिन % ए% पर्यवेक्षण में बरेली जनपद को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 91 प्रतिशत बच्चों ने विटामिन 'ए' की खुराक का सेवन किया था।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने जानकारी दी कि इस बार नौ माह से पाँच वर्ष तक की आयु के कुल 6,26,441 बच्चों को विटामिन 'ए' की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें नौ माह से एक वर्ष की आयु वर्ग के 69,068 एक से दो वर्ष के 1,32,573 तथा दो से पाँच वर्ष आयु वर्ग के 4,24,799 बच्चों को आच्छादित किया जाएगा।

बैठक के दौरान जुलाई-अगस्त में आयोजित विटामिन 'ए' सम्पूरण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, सीएचसी नवाबगंज, दलेलनगर व मीरगंज के अधीक्षक, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुभाष नगर की हेल्थ विजिटर संतोष शर्मा, सी.बी.गंज की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मधु गुप्ता, मौलानगर के चिकित्सा प्रभारी डॉ. प्रियावर्त गंगवार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास सहित अन्य सहयोगी संस्था, डब्लू एचओ, यूनिसेफ़, गावी, यूएनडीपी, जे एस आई, डब्लू जे सी एफ के जनपद प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

21 दिसंबर को बरेली में होगा 20वां भव्य चित्रांश समागम

वैवाहिक परिचय सम्मेलन होगा मुख्य आकर्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के तत्वावधान में आगामी 21 दिसंबर को बरेली में समाज का एक ऐतिहासिक और भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर 20वां विशाल चित्रांश समागम, कायस्थ वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन मनोहर इंटर कॉलेज, नैनीताल रोड स्थित प्रांगण में प्रातःकाल से किया जाएगा।

इस बहुप्रतीक्षित आयोजन की जानकारी महासभा के जिला अध्यक्ष एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी राकेश कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मीडिया को दी।

राकेश कुमार सक्सेना ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी व्यापक और सुनियोजित स्तर पर किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को सामाजिक रूप से जोड़ना और वैवाहिक संबंधों के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि अब तक सम्मेलन के लिए 350 से अधिक युवक-युवतियों के बायोडाटा प्राप्त हो चुके हैं। ये प्रविष्टियाँ केवल बरेली जनपद तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों से भी प्राप्त हुई हैं, जो आयोजन की व्यापकता को दर्शाता है

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल, प्रशासन, सामाजिक सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले चित्रांश समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा।

इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि गोरखपुर नगर निगम के महापौर चि. डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव होंगे। वहीं अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

प्रथम सत्र: विशाल चित्रांश समागम द्वितीय सत्र- सम्मान समारोह तृतीय सत्र- युवक-युवतियों का वैवाहिक परिचय इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसे लेकर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

प्रेस वार्ता दौरान पदाधिकारी में शामिल होने वाले अनूप सक्सेना, प्रदीप सक्सेना रवि जौहरी, पंकज सक्सेना, संदीप सक्सेना 'गुड्डू', दीपक सक्सेना, कमल भारती, सुधीर सक्सेना, सत्य प्रकाश, विकास चित्रांश, रुपम जौहरी, प्रियांक सक्सेना, अलंकार सक्सेना सहित महिला संभाग से प्रतिभा जौहरी, ममता जौहरी, नीलम रानी एवं अलका सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सास बहू की मौत पर संभ्रांत नागरिकों ने जताया शोक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । बरेली। कैंची धाम यात्रा पर जा रहीं सास बहू की गुरुवार को हादसे में मौत हो गई थी। संभ्रांत नागरिकों ने उनके घर जाकर शोक जताया।

शुक्रवार को जब एक साथ दो अर्थियां उठीं तो महिला-पुरूष सब भावुक होकर आंसू बहाने लगे। हर किसी के मुंह से यही निकला कि बहुत बुरा हुआ। भगवान इनको अपने श्री चरणों में लें। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव एवं आसपास के संभ्रांत नागरिकों ने मृतकों के परिवार को सांत्वना देते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की। शोक व्यक्त करने वालों में हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार फौजी, प्रदीप कुमार गुप्ता,हिमांशु पटेल,तरूण गुप्ता,समता सैनिक दल के पूर्व जिला प्रवक्ता एडवोकेट जसवीर सिंह राणा,शिक्षक उमेश पटेल,पूजा मिश्रा, सुनील पटेल,चावड़ गांव के पूर्व प्रधान राजपाल सिंह यादव, वेदप्रकाश पटेल पूर्व ग्राम प्रधान मुड़िया अहमदनगर , ग्राम प्रधान धर्मेंद्र पटेल, आनंद प्रकाश सागर, नत्थू लाल पटेल, मलखान सिंह यादव उमेंद्र पटेल, आदि मौजूद रहे।

बरेली में दिनभर छाया रहा कोहरा, शीतलहर से कांपे लोग; तराई में भी कड़ाके की सर्दी

बरेली समेत तराई इलाके में कोहरे और सर्दी का सितम जारी है। शुक्रवार को शीतलहर चलने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। दिनभर कोहरा छाया रहा। कड़ाके की सर्दी से लोग ठिठुरते दिखे। बरेली में बृहस्पतिवार को हल्की धूप खिली तो शुक्रवार को सुबह से ही घना कोहरा छा गया। दिनभर सूरज के दर्शन नहीं हुए। शीतलहर चलने से शीत दिवस की स्थिति बनी रही। तापमान में गिरावट होने से गलन और ठिठुरन बढ़ गई है। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन धीमी रफ्तार से चलते दिखाई दिए। जरूरी काम से बाहर निकले लोग ठंड से ठिठुरते दिखे। फिलहाल सर्दी से राहत के आसार नहीं हैं। शनिवार को भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दस डिग्री से नीचे पहुंचा न्यूनतम तापमान - बृहस्पतिवार को हवा चलने से कोहरा छंट गया और दिनभर धूप खिली रही। लेकिन सर्द हवा के कारण गलन बरकरार रही। अधिकतम पारा चार डिग्री बढ़त के बाद सामान्य से चार डिग्री कम 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं कड़ाके की सर्दी के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। जिले में कोहरा और सर्दी के कारण आठवीं तक के स्कूलों में 20 दिसंबर तक अवकाश पहले ही घोषित किया जा चुका है।

बदायूं में छाया घना कोहरा, बाजारों में सन्नाटा

बदायूं जिले में कोहरे और सर्दी के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया। कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही। प्रमुख हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। कई स्थानों पर वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। सुबह के समय आसमान से कोहरे की बूंदें टपकती रहीं,जिससे ठंड में और इजाफा हो गया। सर्द हवा और नमी के चलते लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। आवश्यक कार्य से निकलने वाले लोग पूरी तरह गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए।

कोहरे का असर बाजारों पर भी देखने को मिला। रोजाना की तुलना में सुबह के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम रही। ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आने वाले लोगों की संख्या भी घट गई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी सुबह और रात के समय कोहरा बने रहने की संभावना है। प्रशासन ने कोहरे के दौरान सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।सर्दी ने कंपकंपाया, दिनभर छाई रही कोहरे की चादर

पीलीभीत जिले में सर्दी का सितम बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिनों से जिले का तापमान भी गिर रहा है। बृहस्पतिवार को तीन डिग्री पारा गिरा था। शुक्रवार को मौसम का मिजाज और ज्यादा बिगड़ गया। सुबह से ही जिला कोहरे की चादर में लिपटा रहा। दृश्यता पांच मीटर ही रह जाने से वाहनों की रफ्तार थमी नजर आई। लोगों की आवाजाही भी कम दिखी। सर्दी की वजह से लोग 10 बजे तक घरों में ही दुबके रहे। उधर, सुबह नौ बजे गांधी स्टेडियम में हो रही बेसिक की दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चे कोहरे के बीच अभ्यास करते नजर आए।

खीरी में ठंड का प्रकोप जारी- लखीमपुर खीरी जिले में लगातार चौथे दिन कोहरे का प्रकोप जारी है। शीतलहर ने लोगों की मुश्किल बढ़ा दी। शुक्रवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, वाहनों को लाइट जलाकर धीरे धीरे चलना पड़ा। लोग गर्म कपड़े, जैकेट, स्वेटर और मफलर से खुद को ढककर ही घरों से बाहर निकले। जगह जगह दुकानों के बाहर लोग अलाव जलाकर तापते नजर आए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार प्रेस परिषद (भारत) की कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / मझोला पत्रकार प्रेस परिषद (भारत) पत्रकार प्रेस वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती ममताशील पीलीभीत (उत्तर प्रदेश) की कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त की गई, यह जानकारी राष्ट्रीय सचिव उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं उत्तराखंड अशोक गुलाटी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई! पत्रकार प्रेस परिषद (भारत) पत्रकार प्रेस वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती ममताशील पीलीभीत की कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त की गई, यह जानकारी राष्ट्रीय सचिव उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं उत्तराखंड अशोक गुलाटी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई! राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अली की सहमति पर वरिष्ठ पत्रकार वंदे भारत न्यूज़ टीवी की रिपोर्टर श्रीमती ममताशील पीलीभीत की जिला अध्यक्ष नियुक्त की गई, उन्हें एक सप्ताह के भीतर कार्यकारिणी बनाने को कहा गया है। उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नदीम हुसैन सहित पत्रकारों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को बधाई दी है उन्होंने कहा है कि इससे जिले में संगठन और मजबूत होगा। समरणीय है की पहली बार संगठन में किसी महिला को जिला अध्यक्ष बनाया गया है

महाविद्यालय में काव्य गोष्ठी का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत ।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा निर्देशित पत्र के आधार पर नोडल अधिकारी डॉ पूर्णिमा भारद्वाज व सह नोडल डॉ जगदंबा कुमार के द्वारा भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेई जी के जन्मदिवस (सुशासन दिवस) का आयोजन किया गया जिसमें शासन द्वारा निर्देशित प्रतियोगिताओं में से एकल काव्य व क्विज का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें एकल काव्य प्रतियोगिता का संचालन जगदंबा कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ दरख़्शा, डॉ पवन द्विवेदी, डॉ चंद्रप्रभा तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ रोहित पटेल, डॉ पूर्णिमा भारद्वाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के द्वारा अत्यंत मनमोहक कविता पाठ किया गया। इस काव्य प्रतियोगिता में अनुष्का भारती प्रथम, मीनाक्षी द्वितीय व राधिका जोशी तृतीय स्थान पर रही तथा डॉ पूर्णिमा भारद्वाज द्वारा क्विज का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में अंजलि प्रथम,अनुष्का द्वितीय और अदिति तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ दरख्शा के द्वारा बच्चों को आशीष वचन प्राप्त हुए। महाविद्यालय में परीक्षा होने के पश्चात भी अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक: वित्त मंत्री ने पेश किया बिल, शेयर बाजार के कानूनों में बड़े बदलाव की तैयारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक-2025 पेश किया। साथ ही उन्होंने इसे विस्तृत चर्चा और जांच के लिए संसद की स्थायी समिति के पास भेजने का प्रस्ताव भी रखा।भारतीय शेयर और प्रतिभूति बाजार को अधिक पारदर्शी, सरल और सशक्त बनाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक-2025 पेश किया। साथ ही उन्होंने इसे विस्तृत चर्चा और जांच के लिए संसद की स्थायी समिति के पास भेजने का प्रस्ताव भी रखा।कांग्रेस और डीएमके के सांसदों ने बिल का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह एक ही निकाय को अत्यधिक अधिकार देता है, जो शक्तियों के पृथक्करण के लोकतांत्रिक सिद्धांत के खिलाफ है। जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि चूंकि बिल स्थायी समिति के पास जा रहा है, इसलिए इन सभी बारीकियों पर वहां विस्तार से चर्चा की जा सकती है। अस्थिरता के समय सुरक्षा कवच का करेगा काम- यह बिल कई अलग-अलग कानूनों को मिलाकर एकीकृत कोड बनाने का प्रस्ताव रखता है। इनमें सेबी एक्ट (1992), डिपोजेटरी एक्ट (1996), सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट एक्ट (1956) कानूनों को मिलाया जाएगा। सरकार का मानना है कि अलग-अलग कानूनों से नियमों में दोहराव व विसंगतियां पैदा होती थीं।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

अपना प्रदेश

www.knlslive.com

20 December 2025

भाकपा माले ने किया जी राम जी बिल का जमकर किया विरोध, नरेबाजी करते हुए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने संसद में लाए गए जी रामजी बिल का जमकर विरोध करते हुए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। नए बिल को महात्मा गांधी का अपमान बताया। कहा गया कि इसमे काम मांगने के प्रवधान को समाप्त करने की साजिश की गई है। राष्टपति से इस बिल को मंजूरी न देने की मांग की गई।

शुक्रवार को दोपहर को कम्युनिस्ट पार्टी माले के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुचे। उन्होंने नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया और राष्टपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को सौंपा। इसमें बताया कि केंद्र सरकार की और से मनरेगा योजना को बदलकर जी राम जी बिल संसद में पेश किया गया है। इससे महात्मा गांधी का अपमान हुआ है। इस बिल में ग्रामीण मजदूरों को रोजगार गारंटी और काम मांगने के प्रवधान को समाप्त करने की बात कही गई है। भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया। इस दौरान कहा गया कि इस बदलाव में केंद्र सरकार अपने हिस्से का बजट 90 से घटाकर 60 फीसदी कर राज्य सरकारों परे 40 फीसदी भार बढ़ाया है। इससे राज्य सरकारों पर भार बढ़ेगा और काम कम मिलेगा। ज्ञापन के माध्यम से राष्टपति से मनरेगा को बदलकर लाए गए इस बिल को अपनी मंजूरी न देने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के बाद माले कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क पहुंच कर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इस दौरान जिला प्रभारी अफरोज आलम,सईद खां,देवी दयाल,मंसूर अहमद और सहरुक आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माघ मेला की व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम ने साधूसंतो के साथ बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।माघ महीने में शारदा नदी के तट पर लगने वाले वाले मेले को लेकर एसडीएम ने संत महात्माओं के साथ बैठक की। इस दौरान साफ सफाई और प्रकाश के अलावा यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की गई। उपजिलाधिकारी ने मेले की सभी व्यवस्थाएं पूरी कराने का आश्वासन दिया।

■ फोटो-02 एसडीएम के साथ साधूसंत

शारदा नदी के धनाराघाट पर माघ महीने में साधू संत राम नगरिया बसाते हैं। दूर दराज से आने वाले संत अस्थाई झोपड़ी डालकर स्नान और भजन ध्यान में लीन रहते हैं। अमावस्या और पूर्णमासी को धनाराघट पर एक विशाल मेला लगता है। पूस महीना समापन की ओर है। संत महात्माओं ने रामनगरिया बसाने की तैयारी कर ली हैं। हाल ही में महत राघवदास सहित कई संतों ने मेले में व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम से मुलाकत की थी। शुक्रवार को एसडीएम अजीत प्रताप ने मेले की तैयारियोंको लेकर तहसील सभागार में संत महात्माओं के साथ बैठक की। बैठक में साफ सफाई,प्रकाश आदि व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। संत और महात्माओं ने कहा कि अस्थाई शौचालय के साथ मेले में प्रकाश व्यवस्था कराई जाए। सुरक्षा व्यवस्था की भी मांग रखी गई। मेले में अत्याधिक भीड़ उमड़ने से जाम की स्थिति बन जाती है। लोगों का घट तक पहुंचना मश्किल होता है। इसके लिए यातायात व्यवस्था सदृढ़ करने को कहा गया। एसडीएम अजीत प्रताप ने कहा कि मेले की व्यवस्थाएं पूरी कर ली गईं हैं। सफाई और प्रकाश आदि व्यवस्थाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा। बैठक में एसडीएम के अलावा सीओ डा.प्रतीक दहिया,बीडीओ हेंमत कुमार यादव,मंहत राघवदास,ब्रम्हचारी महाराज,राष्टीय बजरंग दल के दयाल विश्वास,धनंजय मिश्रा,विधिओम सिंह चौहान सहित काफी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रचंड ठंड से बेहाल हुए लोग

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। शुक्रवार को क्षेत्र में प्रचंड ठंड का असर बना रहा। बर्फीली हवाएं चलने से लोग बेहाल हो गए। चारों ओर कोहरा छाने के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल गया घने कोहरे की चादर छाई रही। घना कोहरा छाने से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोहरे के चलते दृश्यता प्रभावित रही। बीसलपुर बरेली मार्ग, बीसलपुर पीलीभीत मार्ग, बीसलपुर शाहजहांपुर मार्ग सहित अन्य मार्गों पर वाहन दिन में लाइट जलाकर रेंगते रहे। वाहन चालक कतार में लाइट जलाकर चलते दिखाई पड़े। दृश्यता कम होने के चलते वाहन चालक परेशान रहे। कोहरा छंटने के बाद ही उनकी रफ्तार बढ़ सकी।

अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को घर से निकाला सीओ के आदेश पर पति सहित छह लोगों पर मुकदमा दर्ज।

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत शादी के बीस माह बाद ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए विवाहिता को मारपीट कर प्रताड़ित करते हुए घर से निकाल दिया विवाहिता छह महीने अपने मायके में रही विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। विवाहिता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई पुलिस क्षेत्राधिकारी के निर्देश पर पुलिस ने पति सहित छह लोगों पर दहेज एक्ट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। नगर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी वर्षा पुत्री बृजपाल ने पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति सिंह को दी गई तहरीर में बताया है कि उसकी शादी 20 महीने पहले जगमोहन पुत्र दीनदयाल निवासी बोहित थाना इज्जतनगर सीबी गंज बरेली के साथ हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुई थी जिसमें उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार लगभग सात लाख रुपए खर्च किए लेकिन ससुराल वाले उससे संतुष्ट नहीं थे और अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे विवाहिता ने परिवार परामर्श केंद्र में अपना पक्ष रखा लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई इसके बाद विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही करने की मांग की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई मजबूर होकर विवाहिता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को प्रार्थनापत्र दिया पुलिस क्षेत्राधिकारी के निर्देश पर पुलिस ने पति जगमोहन ससुर दीनदयाल, देवर लालबहादुर, देवर विक्की निवासी बोहित थाना सीबी गंज जनपद बरेली ननद पूजा ननदोई महेशपाल निवासी मिलक रामपुर सहित छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

कोहरे का कहर:अमरोहा में सिपाहियों से भरी पुलिस वैन में ट्रक ने मारी टक्कर, तीन कांस्टेबल घायल, दो की पसली टूटी

कोहरे के कारण शुक्रवार सुबह हादसा हो गया। परेड में आरटीसी कैंपस जा रहे सिपाहियों से भरी

पुलिस वाहन को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस लाइन में सवार पुलिस कर्मियों में चीखपुकार मच गई। मौके पर पहुंची देहात थाना पुलिस ने तीन घायल सिपाहियों का अस्पताल में भर्ती कराया।प्राथमिक उपचार के बाद एक सिपाही को छुट्टी दे दी गई है। पसलियां टूटने के कारण दो सिपाहियों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। प्रत्येक शुक्रवार को पुलिस की परेड होती है। यह परेड पहले पुलिस लाइन में होती थी लेकिन जब से नए पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए डिडौली क्षेत्र आरटीसी कैंपस बना है तभी से यह परेड यहीं पर होती है।इस परेड का निरीक्षण एसपी खुद करते हैं। थानों के अलावा पुलिस लाइन से भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी आरटीसी कैंपस जाते हैं। इसके लिए लाइन से सिपाहियों को लेकर पुलिस वैन जाती है। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे पुलिस वैन लाइन से सिपाहियों को लेकर आरटीसी कैंपस के लिए निकली थी। जैसे ही वैन अमरोहा देहात थानाक्षेत्र में जोया रोड स्थित बंबूगढ़ चौराहे के पास पहुंची तभी कोहरे में दिखाई नहीं देने के कारण ट्रक ने पीछे से पुलिस वैन को टक्कर मार दी। भिड़ंत होते ही वैन में सवार पुलिस कर्मियों में चीख पुकार मच गई। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस कर्मियों को वैन से बाहर निकल गया। जानकारी मिलते ही देहात थाना प्रभारी सनोज प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और हादसे में घायल कांस्टेबल विनोद, अंजनी और प्रवीण को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने तीनों सिपाहियों का इलाज किया। कांस्टेबल विनोद और अंजनी का एक्सरे कराया गया, जिसमें दोनों की पसलियों में फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई है। पुलिस अधिकारियों की माने कांस्टेबल विनोद कुमार गौतम बुद्ध नगर जनपद के गांव जमशेदपुर के रहने वाले हैं, जबकि महिला सिपाही अंजनी उत्तराखंड के काशीपुर की रहने वाली हैं। अमरोहा जिले में दोनों की तैनाती जून और जुलाई में हुई थी। प्राथमिक उपचार के बाद घायल प्रवीण को डॉक्टरों ने अस्पताल से छुट्टी दे दी है। प्रभारी सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर उसके चालक को हिरासत में ले लिया है।

शासन की टीम को प्रसूताओं के अधूरे मिले टीकाकरण कार्ड

■ छह सदस्यीय टीम ने अस्पताल पहुंचकर की जांच पडताल की

■ अधिवक्ता और सभासद ने टीम के सामने रखी समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।शासन से आई टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र पहुंच कर निरीक्षण किया।इस दौरान टीम को लेबर रुम में भर्ती प्रसूताओं के टीकाकरण कार्ड अधूरे मिले। इस पर मौजूद जिम्मेदारों को निर्देश दिए। इसके अलावा शौचालय में में गंदगी मिलने पर भी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान अधिवक्ता और सभासदों ने भी अपनी समस्याओं को रखा। टीकाकरण और अन्य जानकारी करने के लिए शासन की ओर से टीम का गठन किया गया। गुरुवार टीम दोपहर बाद करीब तीन बजे सरकारी अस्पताल पहुंची। टीम ने यहां पर आकर पहले प्रभारी चिकित्साधिकारी से जानकारी जुटाई। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लिया। टीम के एक सदस्स्य ने ओपीडी की गैलरी में जाकर शौचालय निरीक्षण किया। यहां पर अंदर गंदगी मिली इसको ठीक करवाने के लिए चीफ फार्मासिस्ट जितेन्द्र कुमार को निर्देश दिए गए।इसके बाद टीम के सदस्यों ने लेबर

◆ फोटो -03प्रसूताओं के टीकाकार कार्ड चेक करती टीम

वार्ड का निरीक्षण किया। यहां पर भर्ती रम्पुरा कपूर की रहने वाली प्रसूता के टीकाकरण का कार्ड देखा। यह कार्ड अधूरा मिला। इस पर वहां मौजूद जिम्मेदारों को निर्देश देते हुए कहा कि टीकाकरण कार्ड हर हाल में भरा जाए। इसके लिए आशा और एएनएम को निर्देशित करने की बात कही गई। कोल्डचैन में निरीक्षण में कुछ कमियां पाई गई दुरुस्त करने के निर्देश प्रभारी संजीव नायर से कहा गया। टीम ने गांव पिपरिया दुलई में भी जाकर जांच पडताल की। यहां पर भी टीकाकरण को देखा। टीम में यूनीसेफ के आरिफ,सत्यवीर के अलावा लोग शामिल थे। इसके अलावा निरीक्षण के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा.मनीष राज शर्मा, डा.राशिद,डा.सूरज पांडेय,बीसीपीएम मीनीक्षी दुबे सहित कई लोग मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने कहा- सर तन से जुदा का नारा लगाना कानून के शासन, भारत की संप्रभुता-अखंडता को सीधी चुनौती

गुस्ताख ए नबी की एक सजा, सर तन से जुदा नारा लगाना देश की संप्रभुता और कानून के खिलाफ सीधी चुनौती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली हिंसा के मामले में गिरफ्तार आरोपी को जमानत अर्जी देने से इनकार कर दिया।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गुस्ताख-ए-नबी की एक सजा, सर तन से जुदा जैसे नारे लगाना न केवल कानून के शासन के विरुद्ध, बल्कि भारत की संप्रभुता और अखंडता को सीधी चुनौती है। इस प्रकार के नारे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या धार्मिक अधिकार के दायरे में नहीं आते। ये आम नागरिकों को हिंसा और सशस्त्र विद्रोह के लिए उकसाने के समान हैं। इसी टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने बरेली में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार आरोपी रिहान की जमानत अर्जी खारिज कर दी।बरेली के कोतवाली थाना क्षेत्र में 26 सितंबर 2025 को हिंसा हुई थी। आरोप है कि बरेली में निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद कथित रूप से इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा व एक अन्य ने इस्लामिया इंटर कॉलेज में लोगों को एकत्र करने के लिए उकसाया था। भीड़ ने न केवल विवादित और

भड़काऊ नारे लगाए, बल्कि पुलिस पर पथराव, पेट्रोल बम से हमला और फायरिंग भी की। हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और सरकारी-निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा।रिहान को अन्य लोगों के साथ मौके से ही गिरफ्तार किया गया था और प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रिहान ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया है। वहीं, अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने कहा कि आरोपी भीड़ के साथ नारा लगा रहा था। पुलिस ने हस्तक्षेप की कोशिश की तो भीड़ हिंसक हो गई।

संविधान सभी को स्वतंत्रता देता है लेकिन इसकी एक स्पष्ट सांविधानिक सीमा है कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा का अधिकार देता है, लेकिन इसकी स्पष्ट सांविधानिक सीमाएं हैं। जब कोई भीड़ कानून को अपने हाथ में लेकर किसी व्यक्ति के लिए सिर कलम करने जैसे मृत्युदंड की मांग करती है तो यह सीधे तौर पर कानून के शासन का अपमान है। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम धर्म के नाम पर लगाए जाने वाले ऐसे हिंसक नारे वास्तव में पैगंबर मोहम्मद के आदर्शों के भी विपरीत हैं। आदेश में कहा गया कि पैगंबर मोहम्मद ने अपने जीवन में अपमान और कष्ट सहने के बावजूद दया, करुणा और क्षमा का मार्ग अपनाया। न्यायालय ने एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पैगंबर मोहम्मद ताइफ शहर गए।

वहां उनकी एक गैर-मुस्लिम पड़ोसी रहती थी, जो अक्सर उनके रास्ते में कूड़ा फेंककर परेशान करती थी, लेकिन पैगंबर ने कभी भी पलटवार नहीं किया। धार्मिक नारे जब तक उकसाने के लिए न लगाए जाएं अपराध की श्रेणी में नहीं जब पड़ोसी बीमार पड़ गई तो पैगंबर उससे मिलने गए। इसके परिणामस्वरूप पड़ोसी ने इस्लाम धर्म अपना लिया। पैगंबर मोहम्मद के इस कार्य से बुराई को अच्छाई से दूर करने का उनका दृढ़ सिद्धांत ध्यान प्रदर्शित होता है। इसलिए यदि इस्लाम का कोई अनुयायी नबी का अपमान करने वाले किसी व्यक्ति का सिर कलम करने का नारा लगाता है तो यह पैगंबर मोहम्मद के आदर्शों का अपमान करने के अलावा और कुछ नहीं है।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि सर तन से जुदा जैसे नारे का उद्भव भारत की सांस्कृतिक, कानूनी या धार्मिक परंपराओं से नहीं जुड़ा है, बल्कि यह पड़ोसी देश के ईशनिंदा कानूनों और वहां हुई हिंसक घटनाओं से प्रभावित है। कोर्ट ने नारा-ए-तकबीर या जय श्री राम जैसे धार्मिक जयकारों और हिंसा को उकसाने वाले नारों के बीच स्पष्ट अंतर करते हुए कहा कि जब तक धार्मिक नारे दुर्भावनापूर्ण तरीके से दूसरों को डराने या हिंसा भड़काने के लिए इस्तेमाल न किए जाएं, तब तक वे अपराध की श्रेणी में नहीं आते। अपराध की गंभीरता, उपलब्ध साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी को किसी भी प्रकार की राहत देने से इन्कार करते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दी।

कायमगंज में नीलगाय को बचाने में रोडवेज बस पलटी: कंपिल सिवारा मार्ग पर हादसा, सभी यात्री बाल-बाल बचे

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद 7 कायमगंज । कायमगंजः कायमगंज के कंपनी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक रोडवेज बस नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई. यह हादसा कंपिल सिवारा मार्ग पर अकबरपुर गांव की पुलिया के पास हुआ. गनीमत रही कि बस में सवार चालक, परिचालक और एकमात्र यात्री सुरक्षित रहे. खड्ड में गिरी बस कौशांबी डिपो की यह बस सिवारा रोड पर अकबरपुर गांव की पुलिया के पास अचानक सड़क पर नीलगाय के आ जाने से अनियंत्रित हो गई थी. बस चालक ने नीलगाय को बचाने का भरपूर प्रयास किया, जिसके कारण बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में जा गिरी और पलट गई.

घायल यात्री की स्थिति हादसे में बस में सवार एकमात्र यात्री को मामूली चोटें आईं. घायल यात्री की पहचान सरोज कुमार पुत्र रामवीर, निवासी गोपालपुर, जिला सीतापुर के रूप में हुई है. उन्हें तुरंत कायमगंज सीएचसी (ष्ट॥ष्ट) में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई.

चालक का बयान बस चालक मनोज ने बताया कि वह रात को कौशांबी से चला था. सुबह जब वह कंपनी थाना क्षेत्र से कुछ दूरी पर अकबरपुर पुलिया के पास पहुँचा, तो अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई. उसे बचाने की कोशिश में उन्होंने बस पर से नियंत्रण खो दिया और यह हादसा हो गया. चालक ने बताया पूरी बस में एक ही सवारी थी। जो कि सुरक्षित है।

22 दिसम्बर को जनपद आयेंगी सदस्या राज्य महिला आयोग

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिला प्रोबेशन अधिकारी मो0 मुमताज ने बताया है कि राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती अंजू प्रजापति जनपद में 22 दिसम्बर को महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा महिला जनसुनवाई एवं निरीक्षण किये जाने हेतु आ रही है। उक्त कार्यक्रम 22 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से पुलिस लाइन लवकुश सभागार कक्ष में किया जाना है, जिसमें पीड़ित महिलाएं अपनी समस्या सदस्या महोदया के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है जिनका उनके द्वारा त्वरित निस्तारण कराया जाएगा।

श्रावस्ती में मोदी और योगी के दीवाने युवक ने सिर पर लिखवाए मोदी, योगी और अमित शाह के नाम

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / मल्हीपुर इलाके की सैलून दुकान पर तड़के पहुंचा युवक, जिसकी सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल श्रावस्ती जनपद से एक युवक की दीवानगी इस कदर बढ़ी कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित गृह मंत्री अमित शाह जी के नाम की माला अपने सिर पर लिखवाई जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल जिले के मल्हीपुर इलाके के ग्राम पंचायत वीरपुर लोकिहा के मजरा वीरपुर गांव निवासी राजितराम उर्फ अखिलेश कुमार जो सुबह सबेरे एक सैलून की दुकान पर पहुंचा और नाई से अपने सिर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिखने का आग्रह की। नाई ने युवक की मांग के अनुसार उसके सिर पर नाम लिख दिया। इसके बाद जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बन गया।

लोग इस दीवानगी को देखकर हैरान है। युवक के सिर पर नाम लिखवाने का बीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसे हजारों लोग देख और शेयर कर रहे हैं। एक तरफ संसद में मनरेगा के नाम बदलने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस चल रही है तो वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है. जो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के कामों से खुश जनता के समर्थन को दिखा रही है। स्रावस्ती से यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

शिवपुरी पुलिस की जनरल परेड आयोजित, बलवा ड्रिल से परखी गई फोर्स की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी, ब्यूरो।पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने तथा फोर्स में अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस परेड ग्राउंड शिवपुरी में जनरल परेड का आयोजन किया गया।

परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ ने ली। इस दौरान उन्होंने परेड का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं वेशभूषा का मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सुसज्जित वेशभूषा के लिए पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया।

जनरल परेड में जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस लाइन से पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा एमटी शाखा के वाहनों का निरीक्षण कर उनके रख-रखाव एवं साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

परेड के पश्चात पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस परेड ग्राउंड में बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। बलवा ड्रिल के दौरान अलग-अलग पार्टियां बनाकर बलवा नियंत्रण उपकरणों एवं अश्रु गैस गन के उपयोग का अभ्यास कराया गया। ड्रिल के माध्यम से अचानक उत्पन्न होने वाली आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखा गया।

पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बलवा उपकरणों का प्रदर्शन किया गया तथा अश्रु गैस बंदूक से सेल फायर कर व्यवहारिक अभ्यास कराया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पुलिस बल को हर परिस्थिति के लिए तत्पर बनाना रहा।

भाजपा कार्यालय जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका: पदाधिकारियों ने की नारेबाजी, कैंप कार्यालय के बाहर सड़क पर बैठे

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। वे राहुल गांधी पर ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक द्वेषपूर्ण बताते हुए विरोध जता रहे थे। पदाधिकारियों का कहना था कि न्यायालय से भी स्थिति अब साफ हो चुकी है। हालांकि, पुलिस ने उन्हें कैंप कार्यालय से लगभग 20 मीटर आगे बढ़ने के बाद ही रोक दिया।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने अपने कैंप कार्यालय से मार्च शुरू किया था। पुलिस ने उन्हें 10 मीटर चलने के बाद रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे 10 मीटर और आगे बढ़ गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें पूरी तरह से रोक दिया और भाजपा कार्यालय की ओर जाने की अनुमति नहीं दी। काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत चलती रही।

नेताओं के बयान और नारेबाजी शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकुर मिश्रा ने बताया कि राहुल गांधी पर ईडी की कार्रवाई राजनीतिक द्वेष के तहत की गई है और इसी के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे भी लगाए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे सरकार का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि भाजपा कार्यालय पर जाकर विरोध जताना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा, आप लोगों को कार्य करना है तो महंगाई को कम करिए, रुपया कहां तक पहुंच गया है इसको देखिए। यह तो कुछ करना नहीं है, नेताओं को ईडी में फंसाना है। भाजपा वाले जितनी भी सामाजिक संस्थाएं हैं उनका दुरुपयोग कर रहे हैं।

सड़क पर बैठकर किया प्रदर्शन पुलिस द्वारा आगे नहीं बढ़ने दिए जाने पर कांग्रेसी नेता वापस कैंप कार्यालय लौट आए। शहर अध्यक्ष अंकुर मिश्रा और पूर्व जिला अध्यक्ष मृत्युंजय शर्मा के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारी कैंप कार्यालय के बाहर सड़क पर ही बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। कांग्रेसियों का आरोप था कि उन्हें पुलिस ने जबरदस्ती रोका है।पुलिस प्रशासन का पक्ष सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने बताया कि कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा यात्रा निकालने और भाजपा कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया गया था। उन्होंने कहा कि उनका जो कार्यक्रम था, वह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है।

डीआई फोर्टी क्रिकेट लीग मैच में मिहोना टीम जीती, सभासद महेंद्रसिंह कुशवाहा ने विजई को सम्मानित किया

खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए महेंद्र सिंह कुशवाहा

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) नगर के मथुरा प्रसाद महाविद्यालय कोंच के परिसर में डीआई फोर्टी क्रिकेट लीग मैच सेशन टु का आयोजन चल रहा है आज दूसरे दिन मिहोना क्रिकेट टीम और चक्रधारी क्रिकेट टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मिहोना क्रिकेट टीम विजई हुई इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कोंच के युवा सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा मंचस्थ रहे मुख्य अतिथि द्वारा विजई टीम के कप्तान को टॉपी देकर सम्मानित और कमेटी को ग्यारह सो रुपए भी प्रदान किये इस अवसर पर बोलते हुये सभासद महेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इस खेल के आयोजन से युवा ओं को खेल के प्रति बढ़ावा मिलेगा और युवा वर्ग खेल के प्रति जागरूक रहेगा इस अवसर पर लीग मैच सेशन टु के आयोजक मंडल को बधाई दी आयोजक अंशुल कुशवाहा आदित्य द्विवेदी सिद्धार्थ यादव लक्ष्य यादव सचिन पाटकार प्रवीण राठौर सहित तमाम लोग मौजूद रहे

वन भू-माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, 300 बीघा वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त

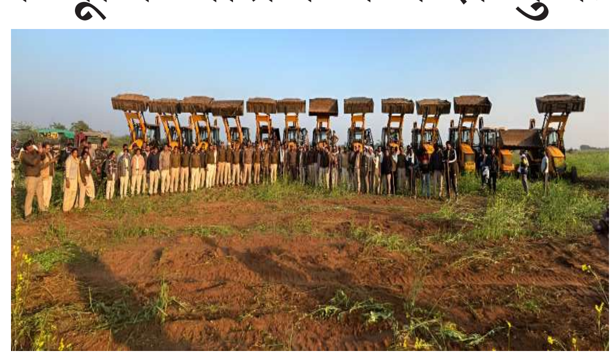

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, ब्यूरो। वन भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए 300 बीघा वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। यह संयुक्त अभियान सामान्य वनमंडल शिवपुरी अंतर्गत वन परिक्षेत्र करैरा की सबरेंज अमोला-उत्तर की बीट बांसगढ़ में संचालित किया गया।

कार्रवाई आर.एफ. 444 एवं आर.एफ. 445 (बरुआ नाला क्षेत्र) में की गई, जहां कई अतिक्रमणकारियों द्वारा वर्षों से वन भूमि पर अवैध कब्जा कर खेती की जा रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद वन विभाग ने अतिक्रमण निरोधी अभियान के तहत वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध बेदखली आदेश जारी किए। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी शिवपुरी सुधांशु यादव के निर्देशन में तथा उप वनमंडलाधिकारी करैरा आदित्य शांडिल्य के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान वन विभाग के 100 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग का संयुक्त बल मौके पर मौजूद रहा। अतिक्रमण हटाने के लिए 12 जेसीबी मशीनों एवं 3 ट्रैक्टर-कृषि उपकरणों की मदद से खड़ी फसलों को नष्ट कर भूमि को पूरी तरह मुक्त कराया गया। साथ ही भूमि संरक्षण के लिए मौके पर कंटूर ट्रेंच भी खुदवाई गईं। वन विभाग ने बताया कि भविष्य में उक्त क्षेत्र में वृक्षारोपण कर उसे पुनः वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया कि वन भूमि की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आगे भी अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उन्हें वन भूमि से संबंधित किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी मिले, तो तत्काल वन विभाग को सूचित करें।

संक्षिप्त समाचार

किसान यूनियन की टोपी पहनकर भू माफिया कर रहे हैं जमीन पर कब्जा दे रहे हैं धरना थाने पर

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ आज इसी के खिलाफ प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश में किसान यूनियन ने ज्ञापन सौपा प्रयागराज में जिला अध्यक्ष ससनी सशुक्ला के अगुवाई में आज किसान यूनियन प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जिलाधिकारी महोदय के द्वारा किसान संगठन का कहना है कि प्रयागराज में किसान की टोपी पहन कर किसान यूनियन को बदनाम कर रहे हैं माफिया जमीन पर कब्जा करने वाले लोग किसान यूनियन की टोपी लगाकर धरना दे रहे हैं गुंडे मारपीट कर रहे हैं वसूली कर रहे हैं अवैध खनन करवा रहे हैं ऐसे लोग किसान यूनियन के नहीं है यह सआपराधिक संगठन है जो किसान यूनियन को बदनाम कर रहा है और उसमें सही जनता की लड़ाई लड़ने वाले लोगों को बदनाम किया जा रहा है भारतीय किसान यूनियन को इसके कारण आज सअपराधी समाफिया किसान यूनियन का चोला पहनकर शासन प्रशासन को गुमराह कर रहे हैं जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और अपराध कर रहे हैं जिस पर कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौपा गया

22 दिसंबर को रोजगार मेले का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को जनपद तथा प्रदेश स्तर पर विभिन्न अधिष्ठानों औद्योगिक इकाइयों में सेवायोजित कराया जाना व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उक्त के क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिनगा श्रावस्ती कैंपस में 22 दिसंबर 2025 को रोजगार मेला आयोजित कराया जा रहा है जिसमें जनपद के समस्त रोजगार हेतु इच्छुक हाई स्कूल, इंटर, ग्रेजुएशन, डिप्लोमा पॉलिटेक्निक आदि अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22 दिसंबर को राजकीय आईटीआई भिनगा श्रावस्ती के प्रांगण में हैवेल्स इंडिया लिमिटेड और याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाना सुनिश्चित हुआ है चयनित अभ्यर्थियों को 18000 से 20000 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा रोजगार हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त तिथि को अपने समस्त आवश्यक प्रमाण पत्र एवं दस्तावेज लेकर प्रातः 09 बजे राजकीय आईटीआई भिनगा श्रावस्ती संयुक्त जिला अस्पताल के पीछे स्पोर्ट स्टेडियम के पास उपस्थित होकर मेले में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करे।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में वॉलीबॉल मैच का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व में सशस्त्र सीमा बल की 62वीं स्थापना उपलक्ष्य में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में खेलकूद गतिविधियों के अंतर्गत एक वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ललेंद्र रत्नाकर, द्वितीय कमान अधिकारी एवं श्री सोनू कुमार, उप कमान्डेंट की गरिमामयी उपस्थिति रही। वॉलीबॉल मैच 'डी' समवाय एवं मुख्य समवाय के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं उत्साह का परिचय दिया। मैच के दौरान दोनों समवायों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अंततः मुख्य समवाय ने डी समवाय को 2-1 के करीबी अंतर से पराजित करते हुए विजय प्राप्त की। कमान्डेंट द्वारा विजयी एवं प्रतिभागी दोनों टीमों के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे खेल आयोजन जवानों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढ़ता एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देते हैं तथा बल में टीम भावना को सशक्त करते हैं।

Eating Halim seeds daily will bring 7 amazing changes to your body, keeping diseases caused by malnutrition at bay.

Do you know how beneficial Halim seeds, also known as Aliv seeds, are for health? These seeds are packed with nutrients. Therefore, eating just one teaspoon of Halim seeds daily can be very beneficial for your health. Halim seeds are rich in many nutrients. Eating them can alleviate many health problems. Eating one teaspoon of Halim seeds daily can be beneficial. We include many types of seeds in our diet to stay healthy. You should definitely include Halim seeds among these. Yes, eating just one teaspoon of Halim seeds daily can dramatically improve your health (Aliv Seeds Benefits). Let's explore the benefits of eating Halim seeds. A treasure trove of nutrients - Halim seeds are rich in omega-3 fatty acids, fiber, protein, B vitamins, magnesium, and phosphorus. They also contain abundant amounts of antioxidants, which protect the body from free radicals. A boon for heart health - Regularly consuming fenugreek seeds helps control cholesterol levels. The omega-3 fatty acids present in fenugreek seeds help regulate blood pressure by reducing inflammation in the arteries, thereby reducing the risk of heart disease. Strengthens the digestive system - One tablespoon of fenugreek seeds contains approximately 3 grams of fiber, which maintains proper digestion. It promotes intestinal health by eliminating constipation and relieving stomach problems. Aids in weight loss - Fenugreek seeds keep the stomach feeling full for a long time, preventing unnecessary hunger. They also promote weight loss by boosting metabolism. Beneficial for skin and hair - The omega-3 fatty acids present in fenugreek seeds keep the skin hydrated and reduce wrinkles. These seeds are also beneficial for hair, reducing hair loss and strengthening it. Strengthening bones - Halim seeds are rich in calcium, magnesium, and phosphorus, which are essential for bone health. Eating them regularly reduces the risk of osteoporosis. Preventing anemia - Halim seeds are a good source of iron. Therefore, eating a teaspoon of Halim seeds daily helps prevent anemia. Things to keep in mind - If you are pregnant or taking any medications, consult your doctor before including Halim seeds in your diet.

Do you check these 5 things when buying a face wash? Otherwise, your skin could be damaged unknowingly.

Choosing the right face wash is crucial for removing dirt from your face. Therefore, it's essential to keep certain things in mind when choosing a face wash. However, some people often overlook these. Let's explore the important things to consider when buying a face wash.

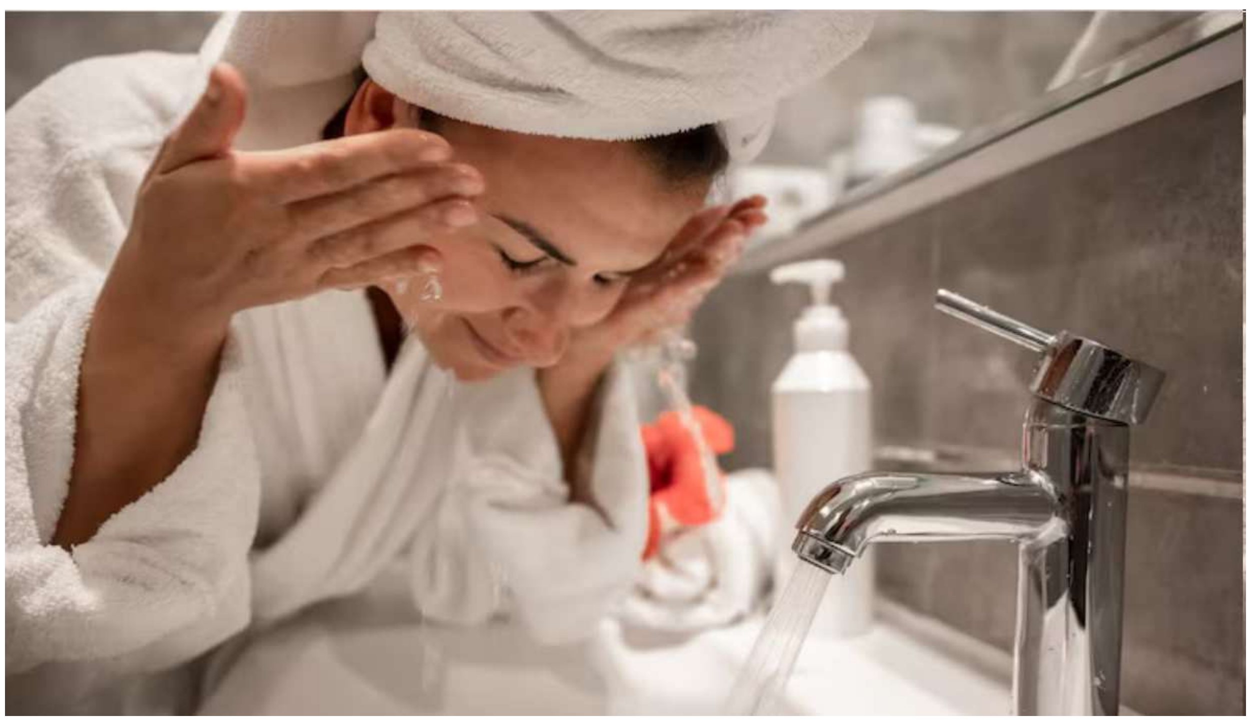

Face wash cleanses facial dirt. The right face wash is crucial for maintaining healthy skin. It's important to keep a few things in mind when buying a face wash. Face wash is a fundamental step in skin care. It not only cleans away dust, makeup, and pollution particles, but also keeps the skin fresh and healthy. However, choosing the wrong face wash can cause skin damage. Therefore, it's important to pay special attention to these 5 things (Face Wash Buying Tips) when buying a face wash. Identify your skin type - First, understand your skin type. Is your skin normal, oily, dry, sensitive, or combination? If your skin is oily, choose an oil-control face wash containing ingredients like salicylic acid or tea tree oil. For dry skin, a moisturizing or cream-based face wash containing ingredients like glycerin, hyaluronic acid, or shea butter is best. For sensitive skin, choose a face wash with a mild, fragrance-free, and gentle formula. Check the ingredients: Read the ingredients carefully before purchasing a face wash. Avoid harmful chemicals like sulfates, parabens, and artificial fragrances, as these can cause skin irritation, dryness, or allergic reactions. If your skin is acne-prone, choose a face wash containing benzoyl peroxide or salicylic acid. Consider pH balance: The skin's natural pH level is between 4.5 and 5.5. Choose a face wash that maintains the skin's pH balance. Excessively alkaline or acidic face washes can damage the skin's natural barrier, leaving it dry, red, or irritated. Many products are labeled "pH balanced," so prioritize such face washes. Choose according to the season and needs. It's also important to change your face wash according to the weather. Use a mild, oil-controlling face wash in the summer, while a moisturizing formula is better in the winter to prevent dry skin. Furthermore, if you're exposed to pollution or wear heavy makeup, choose a deep-cleansing face wash. Remember, using face wash more than twice a day can damage your skin. Trust the brand and reviews, but don't buy without verification. Check reviews before purchasing any face wash and prioritize trusted brands. However, everyone's skin is different, so don't judge based on others' experiences. If possible, try a trial pack or sample first. If you have any specific skin problem like acne, rosacea or eczema, then choose face wash only after consulting a doctor.

Two minutes of effort, but energy for hours; the best option for breakfast is an oat-banana smoothie.

Breakfast should be healthy and nutritious. A smoothie made with oats and bananas is a great option, providing instant nutrition. Its fiber, vitamins, and minerals provide energy throughout the day. Let's learn its easy recipe and benefits.

An oat and banana smoothie provides instant energy, aids in proper digestion, and helps manage weight. In today's fast-paced, stressful life, a healthy and nutritious breakfast is crucial. Often, due to lack of time, people either skip breakfast or opt for quick, unhealthy options. In such a situation, an oat and banana smoothie can be a perfect choice. It's not only quick to prepare but also packed with nutrition. The fiber in oats and the vitamins and minerals in bananas combine to energize the body and keep it active throughout the day. Benefits of drinking an oats and banana smoothie: Instant energy source: Banana's natural sugars and carbohydrates provide instant energy early in the morning. This prevents fatigue throughout the day and improves focus. Good for digestion: Both oats and bananas are rich in dietary fiber. They promote proper digestion, relieve constipation, and make the stomach feel light and healthy. Helpful in weight management: Oats digest slowly, which helps keep you full for longer. The natural sweetness of bananas controls sugar cravings, preventing overeating and maintaining weight control. Good for heart health: The beta-glucan in oats lowers bad cholesterol (LDL). Bananas are rich in potassium, which balances blood pressure and maintains a healthy heart. Beneficial for skin and hair: Bananas contain vitamin C and antioxidants, which give the skin a natural glow. Oats detoxify the body from within, keeping both hair and skin healthy and fresh. Immunity Booster - The minerals and vitamins present in oats and banana strengthen the body's immune power. Eating them regularly helps prevent seasonal infections. Recipe for Oats and Banana Smoothie Ingredients - ½ cup oats (lightly roasted) 1 ripe banana 1 cup milk (normal or almond milk) 1 teaspoon honey (optional) 3-4 almonds/walnuts 2-3 ice cubes (for cold smoothie) Method of preparation To make this smoothie, first lightly roast the oats to enhance the taste. Add banana, oats, milk, honey and dry fruits in a mixer and blend. If you like it cold, add ice cubes. Once it gets a smooth and creamy texture, pour it into a glass and serve.

Kartik Aaryan asked Amitabh Bachchan a personal question about Jaya Bachchan, and Big B replied, "Are you crazy?"

In a recent episode of Kaun Banega Crorepati, Kartik Aaryan and Ananya Panday appeared to promote their upcoming film, "Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri." Kartik asked

Amitabh Bachchan personal Jaya Bachchan, angering Big B. Sony TV show, watched with great even the elderly. Along with the appear on the show to promote their Kartik Aaryan and Ananya Panday film, "Tu Meri Main Tera Main personal question. During the Bachchan shared some personal with veteran actress and wife Jaya social media. In it, Kartik Aaryan questions about his love and was Kartik's question? Kartik Bachchan's phone password, to replied, "Are you crazy?! I'll tell "Do you eat secretly from Jaya ji?" then taught Big B the Korean heart slang - Ananya Panday, who shared Gen Z roots and taught Big B some to 'No Cap,' these terms confused curiosity. The moment became even "drip," which means stylish and

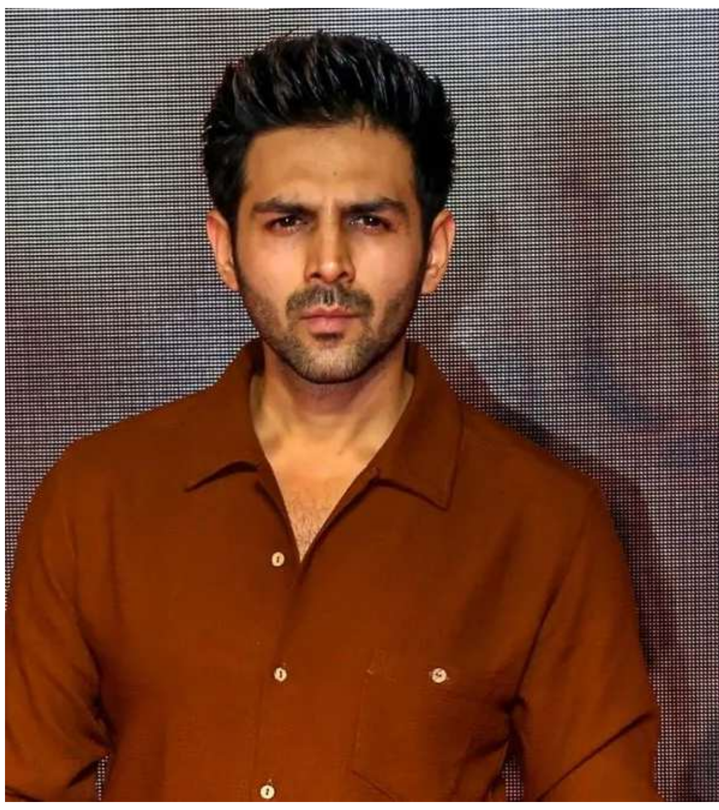

questions about his relationship with Kaun Banega Crorepati is a popular interest by children, young people, and contestants, Bollywood celebrities often upcoming films. In a recent episode, appeared to promote their upcoming Tera Tu Meri." Kartik Aaryan asked a episode, host and megastar Amitabh and funny stories about his relationship Bachchan. A promo has been shared on asks Amitabh Bachchan some personal relationship with his wife Jaya. What asked if Jaya Bachchan knew Amitabh which Amitabh laughed and jokingly her." Furthermore, Kartik also asked, This question left Big B in splits. Kartik sign. Ananya Panday taught Gen Z the hot seat with Kartik, embraced her Gen Z slang. From 'OOTD' and 'Drip' Amitabh Bachchan, but also piqued his more fun when Ananya called him cool person. Kartik and Ananya will

soon be seen together in "Tu Meri Main Tera, Main Tera Tu Meri," which is scheduled to release on December 25th. Currently, they are busy promoting the film together.

Nandamuri attempts to break into Dhurandha's earnings, the equation changes on the sixth day.

Nandamuri Balakrishna's film "Akhanda 2: Thaandavam" has had a strong opening weekend at the domestic box office. The film collected ?60 crore in India and over ?100 crore

worldwide in three film like Dhurandha, it sixth day's collection. released film a strong opening just three days, the film the competition from a maintained its strong theaters on December day. Although its day, it still managed to billion). The film is well. Accordingly, the the box office. Early arrived. On collected ?2.21 crore brings the film's total (approximately $72.81 Only. The film's ?100 crore mark increasing. The film has $1.08 billion) theatrical performance weekend as well.

days. Despite competition from a big continues to hold strong. Find out the Nandamuri Balakrishna's recently "Akhanda 2: Thaandavam" recorded weekend at the domestic box office. In has collected ?60 crore in India. Despite big film like Dhurandha, the film has hold. Akhanda 2 was released in 12th and collected ?22.5 crore on its first collection dipped slightly on the second earn ?15 crore (approximately $1.5 performing well over the weekend as movie is about to complete a week at trends for its sixth day have also Wednesday, the sixth day, the film (approximately $2.21 billion). This collection to ?72.81 crore billion). Remove Ads - Read News worldwide success has surpassed the worldwide, and its earnings are steadily collected ?108 crore (approximately worldwide in three days. The film's will depend on its performance over the Harshaali Malhotra's South debut,

Akhanda 2, is in direct competition with Kapil Sharma's Kis Kisko Pyaar Karoon 2, which is also failing to do well at the box office. In fact, the craze for Dhurandar is currently high, which is why there's a strong performance push for Akhanda 2. Akhanda 2: Thaandavam is the sequel to Balakrishna's 2021 film of the same name. It also stars Amyukta, Aadhi Pinisetty, and Harshaali Malhotra.

How the new and retro songs in Dhurandhar added intensity to the film and increased audience anticipation

The action-thriller "Dhurandhar," starring Ranveer Singh and Akshaye Khanna, blends nationalism, crime, and love. Its biggest highlight is its music, where old songs are used in new and unexpected contexts. These songs add intensity to the scenes and keep you engaged. Dhurandhar isn't a film that slowly draws you in. Right from the start, this 2025 action thriller made

it clear from its trailer that it would deliver a by Aditya Dhar, the film blends a volatile mix loyalties are weak and violence is everything. Khanna makes a strong presence as Rehman powerful - More than just an action film, the and scenes. The songs in Dhurandhar don't chases, during gunfights, and at the entry of audience remains engaged throughout the 3- experiment. Let's find out. 'Na To Caravan and is one of the most popular songs from it's perfect for setting the mood. This song sets Mazari. Ramba Ho - Ramba Ho, originally a film. This contrast is deliberate. What was Monica Oh My Darling - This new version of

different level of entertainment. Ranveer plays Hamza Ali. Directed of nationalism, organized crime, and a love story in a world where Ranveer Singh plays Hamza Ali Mazari in the film, while Akshaye Daikat, a silent but terrifying villain. Some entry songs are quite film also makes good use of music, adding intensity to the characters wait for a romantic scene or a quiet, emotional tune. They play during a character who scares you. Songs are one of the reasons why the hour 34-minute film. Aditya Dhar has experimented with one such Ki Talaash Hai' is a popular qawwali by Roshan from Barsaat Ki Raat the movie. In Dhurandhar, it's reborn as Ishq Jalkar - Caravan, and the film's philosophical backdrop. It introduces our lead, Hamza Ali cheerful and playful song, is used in an action-packed sequence in the once a lighthearted song now depicts brutality and calculated violence. the classic Caravan track plays during a thrilling chase scene when

Hamza and Yaleena Jamil are fleeing from the police. The song's fast-paced, chaotic energy perfectly matches the panic and desperation displayed on screen. Na De Dil Pardesi Nu - Na De Dil Pardesi Nu was created for the Bollywood film Dhurandhar to showcase the high-energy dynamic between rapper Hanumankind and actor Ranveer Singh. Titled Hanumankind, it marks his official debut. Retro Pakistani slow songs and ghazals are used. While the film depicts people listening to music in Pakistan, songs like "Chupke Chupke" by Ghulam Ali and "Afrin Afrin" by Nusrat Fateh Ali Khan are also used. This adds to the film's authenticity. Each song, even if completely reimagined, feels carefully chosen. There are no unnecessary elements, nor are there any old songs used simply for the sake of familiarity. By placing familiar songs in unfamiliar contexts, Dhurandhar has managed to connect with the audience. You won't have a chance to relax and sink in throughout the film; you'll remain alert. Instead, the music unsettles, energizes, and challenges your expectations of Bollywood music.